

दुर्गा एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है सबसे शक्तिशाली

मां दुर्गा का स्वरूप तीनों लोकों में अलौकिक है। दुर्गा रूप में मां सकारात्मक ऊर्जा वायुमंडल में प्रवाहित करती हैं। वह शक्ति (नारी शक्ति/ ऊर्जा) का प्रतीक हैं। मां दुर्गा ने इस पृथ्वी से नकारात्मक ऊर्जा यानी दानवों का संहार किया। मां दुर्गा को आदि शक्ति कहा जाता है, त्रिदेवियां (देवी पार्वती, देवी लक्ष्मी और देवी सरस्वती) भी मां आदिशक्ति का ही रूप हैं। मान्यता है कि जब मां दुर्गा महिषासुर जैसे भयानक दानव से युद्ध करने जा रही थीं, तब त्रिदेवों के साथ देवताओं ने भी उन्हें अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए थे।

ये सभी शस्त्र अपने आप में दुर्लभ थे। तब मां ने इन्हीं शस्त्रों की सहायता से इस दैत्य का संहार किया। दरअसल दुर्गा, एक संस्कृत शब्द है। जिसका अर्थ होता है सबसे शक्तिशाली। इसलिए मां दुर्गा सभी देवी-देवताओं में शक्तिशाली और शक्ति की देवी मानी गई हैं। मां दुर्गा का नाम मात्र लेने से नकारात्मक शक्तिया और दोष-अहंकार, ईर्ष्या, पूर्वाग्रह, घृणा, क्रोध, लालच और स्वार्थ भाग जाते हैं।

वेबसाइट इंडिया करंट्स में सत्या कालरा लिखते हैं, 'मां दुर्गा के आठ हाथ हैं जिनमें आठ तरह तरह के शस्त्र हैं। हर शस्त्र और हाथों की मुद्राएं जिंदगी के लिए कुछ न कुछ सीख देतीं है।' दुर्गा के ऊपरी और दाएं हाथ में चक्र है। यह धर्म चक्र है। यह हमें अपने कर्तव्य और जिंदगी की जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से पूरा करने की सीख देता है। मां दुर्गा के ऊपरी बाएं हाथ में शंख है। यह चिन्ह कहता है कि हमें संतोष के साथ खुशी और हंसमुख रहते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

मां दुर्गा की तलवार उन्मूलन का प्रतीक हैं। हमें भेदभाव और हमारे बुरे गुणों दूर करना चाहिए। निचले हाथ में मां दुर्गा धनुष और तीर लिए हैं। यह चिन्ह हमें सीख देता है कि भगवान राम की तरह हमारा चरित्र होना चाहिए। जीवन कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पडता है लेकिन हमें अपना धैर्य और चरित्र(मान-सम्मान) नहीं खोना चाहिए। मां दुर्गा के हाथ में कमल का होना प्रतीक है कि हम बाहरी दुनिया में मोह-माया रहित होकर जीवन जीना चाहिए। जैसे कमल, दलदल में खिलकर भी मुक्कुरता है। ठीक उसी तरह इस दलदल रूपी और त म । म

शिवलिंग की पूजा करने में कुछ ऐसी चीजें हैं जिससे शिवजी अति प्रसन्न होते हैं

शिव, महादेव, भोले शंकर या फिर नीलकंठ। भगवान शिव को न जाने कितने ही नामों से जाना जाता है। भगवान शिव के बारे में कहा जाता है कि वो विनाश के देवता है यानि सृष्टि में जब-जब पाप की अधिकता हो जाती है तो शिव प्रलय लीला द्वारा पुनः संसार का सृजन करते हैं। वहीं भगवान शिव की पसंद की बात करें तो उनकी पसंद अन्य देवताओं से काफी अलग है।

भगवान शिव के एक अन्य रूप 'शिवलिंग' भी कई मायनों में अलग है।शिवलिंग की पूजा करने में कुछ ऐसे रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है जो भगवान शिव को बहुत पसंद है। शिवलिंग को दूध से स्नान करवाया जाता है।ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव को दूध से अभिषेक किया जाना बेहद पसंद है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवलिंग को दूध से स्नान क्यों करवाया जाता है।वास्तव में इसके पीछे भी एक कहानी है।

समुद्र मंथन की पूरी कथा विष्णुपुराण और भागवतपुराण में वर्णित है।जिसमें एक कथा मिलती है। इस कथा के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान जब विष की उत्पत्ति हुई थी तो पूरा संसार इसके तीव्र प्रभाव में आ गया था। जिस कारण सभी लोग भगवान शिव की शरण में आ गए क्योंकि विष की तीव्रता को सहने की ताकत केवल भगवान शिव के पास थी। शिव ने बिना किसी भय के संसार के कल्याण हेतु विष पान कर लिया। विष की तीव्रता इतनी अधिक थी कि भगवान शिव का कंठ नीला हो गया। विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में

मां दुर्गा, की आराधना का पर्व नवरात्र इन दिनों भारतवर्ष में धूम-धाम से मनाया जा रहा है। इन नौ दिनों में शक्ति की आराधना, भक्ति से करने पर मां के भक्तों को मनोवांछित वर की प्राप्ति होती है। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव के बाद दशहरा आता है। दशहरा बुलाई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दशहरा, भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण के साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाए जाते हैं।



विकारों से भरे संसार में अपनी मुस्कान नहीं खोना चाहिए।मां दुर्गा के हाथ में गदा, हनुमान जी जैसी शक्ति का प्रतीक है। हनुमानजी भक्ति और समर्पण का प्रतीक माने जाते हैं। इसीलिए हमें भी अपने जीवन में भक्ति और समर्पण का भाव रखना चाहिए। भक्ति और सर्वशक्तिमान की इच्छा के रूप में परिणाम स्वीकार करते हैं। मां दुर्गा के हाथ में त्रिशूल है। त्रिशूल साहस का प्रतीक है। त्रिशूल सीख देता है कि हम हमारे नकारात्मक गुणों का संहार कर जीवन में चुनौतियों का सामना करें। सफलता हमारे कदमों में होगी। मां दुर्गा के एक हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में होता है। इसका अर्थ है हमें अपनी और

दूसरों की गलतियों को माफ कर जिंदगी में आगे बड़ जाना चाहिए। मां दुर्गा को शेर की सवारी करते हुए दिखाया गया है। वह इसलिए कि मां शक्ति हैं। और बाघ/शेर असंमित शक्ति का प्रतीक है। वह जंगल का राजा है। यानि शक्ति सिर्फअसमित शक्ति के सानिध्य में ही रह सकती हैं। शेर के पर भी मां दुर्गा को बैठे हुए प्रतीकात्मक रूप में दिखाया जाता है। शेर दरअसल क्रोध, अहंकार, स्वार्थ के रूप में अनियंत्रित पाशविक प्रवृत्तियों को नष्ट करने का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि हम अपनी अच्छाईयों को नियंत्रित कर नकारात्मक शक्तियों(लालच, ईर्ष्या, इच्छा, आदि अन्य) का

संहार करें। मां दुर्गा अमूमन लाल साडी पहनती हैं। लाल रंग लाल कार्रवाई का प्रतीक है और लाल कपड़े बुलाई को नष्ट करने के प्रतीक हैं। मानव जाति की रक्षा और उन्हें दानवों से बचाने के लिए मां हमेशा तत्पर रहती हैं। मां के पास सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है, जिससे वह नकारात्मक शक्तियों को नाश करती हैं। मां दुर्गा स्त्री में शक्ति का प्रतीक हैं। वह रचनात्मकता की मूर्ति हैं। उनके चेहरे की आभा से निकलता शुद्ध प्रकाश सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मां की आराधना और उपासना जो भी भक्त करता है। वह अपने जीवन में हमेशा विजयश्री हासिल करता है।

मन का सदेह

एक व्यक्ति की घड़ी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिडकी के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदेह आंखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घड़ी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कड़ाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबड की सफाई करते हुए उसे वह घड़ी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपड़ों के साथ अपनी घड़ी कबड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था।

व्यक्ति ने खिडकी से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन अब उस व्यक्ति को लडके की कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : संदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते है।

भगवान वामन श्री हरि के पहले ऐसे अवतार थे जो मानव रूप में प्रकट हुए थे

हमारे वेदों में चार युगों का वर्णन मिलता है। ब्रहमाजी का एक दिन यानी चार वेदों का समय है। यह समय सौर वर्ष (12 माह से सौर वर्ष बनता है और सौर वर्ष का प्रथम दिन 'मेष' होता है।) में उल्लेखित है। चार युगों में सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग आते हैं। त्रेतायुग दूसरा युग था जिसमें अधर्म का नाश करने के लिए भगवान विष्णु तीन अवतार लिए थे, जो क्रमशः वामन अवतार, परशुराम अवतार और श्रीराम अवतार के नाम से हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित हैं।

त्रेतायुग में भगवान विष्णु के पांचवें अवतार के रूप में वामन अवतार लिया गया था। पहले चार अवतार क्रमशः मत्स्य, कच्छप, वाराह और नृसिंह थे। वामन अवतार में उन्होंने राजा बलि से तीन पग जमीन मांग कर धरती की रक्षा की थी। छठवां अवतार भगवान ने परशुराम का लिया। इसके बाद भगवान श्रीराम के रूप में भगवान विष्णु इस धरती पर जन्मे थे।

वामन अवतार : भगवान वामन श्री हरि के पहले ऐसे अवतार थे जो मानव रूप में प्रकट हुए थे। उनके पिता वामन ऋषि और माता अदिति थीं। वह बौने ब्राहमण के रूप में जन्मे थे। वामन भगवान



को दक्षिण भारत में उपेन्द्र के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि वह इंद्र के छोटे भाई थे। भागवत पुराण के अनुसार भगवान विष्णु ने इंद्र का देवलोक में पुनः अधिकार स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। दरअसल देवलोक पर असुर राजा बली ने विजयश्री हासिल कर इसे अपने अधिकार में ले लिया था। राजा बली विरोचन के पुत्र और प्रहाद के पौत्र थे। उन्होंने अपने तप और पराक्रम के बल पर देवलोक पर विजयश्री हासिल की थी। राजा बलि महादानी राजा थे, उनके दर से कोई खाली हाथ नहीं लौटता था। यह बात जब वामन भगवान को पता चली तो वह एक बौने ब्राहमण के वेष में बली के पास

कृष्ण के गीता के उपदेश अर्जुन के अलावा विश्व में चार और लोग सुन रहे थे

पौराणिक कथा के अनुसार जिस समय भगवान श्री कृष्ण कुरुक्षेत्र की रणभूमि में पार्थ (अर्जुन) को गीता के निष्काम कर्मयोग का उपदेश दे रहे थे उस समय धनुर्धारी अर्जुन के अलावा इस उपदेश को विश्व में चार और लोग सुन रहे थे जिसमें पवन पुत्र हनुमान, महर्षि व्यास के शिष्य तथा धृतराष्ट्र की राजसभा के सम्मानित सदस्य संजय और बर्बरीक शामिल थे। आपको बताते चलें बर्बरीक घटोत्कच और अहिलावती के पुत्र तथा भीम के पोते थे। जब महाभारत का युद्ध चल रहा था उस दौरान उन्हें भगवान श्री कृष्ण से वरदान प्राप्त था कि कौरवों और पाण्डवों के इस भयंकर युद्ध को देख सकते हैं। जब गीता का उपदेश चल रहा उस दौरान पवन पुत्र

हनुमान अर्जुन के रथ पर बैठे थे जबकि संजय, धृतराष्ट्र से गीता आख्यान कर रहे थे। धृतराष्ट्र ने पूरी गीता संजय के मुख से सुनी वह वही थी जो कृष्ण उस समय अर्जुन से कह रहे थे। भगवान श्रीकृष्ण की संशा थी कि धृतराष्ट्र को भी अपने कर्तव्य का ज्ञान हो और एक राजा के रूप में वो भारत को आने वाले विनाश से बचा लें। यही नहीं यही वह चार व्यक्ति थे जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को विश्वरूप के रूप में देखा। दसवें अध्याय के सातवें श्लोक तक भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी विभूति, योगशक्ति तथा उसे जानने के माहात्म्य का संक्षेप में वर्णन किया है। फिर ग्यारहवें श्लोक तक भक्तियोग तथा उसका फल बताया। अर्जुन ने भगवान की स्तुति करके

दिव्य विभूतियों तथा योगशक्ति का विस्तृत वर्णन करने के लिए श्री कृष्ण से प्रार्थना की। अपनी दिव्य विभूतियों के बारे में बताने के बाद आखिर में श्री कृष्ण ने योगशक्ति का प्रभाव बताया और समस्त ब्रहमांड को अपने एक अंश से धारण किया हुआ बताकर अध्याय समाप्त किया। यह सुनकर अर्जुन के मन में उस महान स्वरूप को प्रत्यक्ष देखने की इच्छा हुई तब ग्यारहवें अध्याय के आरम्भ में भगवान श्रीकृष्ण ने विश्वरूप के दर्शन के रूप में अपने को प्रत्यक्ष किया। इसी विराट स्वरूप में समस्त ब्रहमांड को समाहित देख अर्जुन मोह मुक्त हुए तथा युद्ध के विरक्ति भाव से मुक्त होकर महाभारत युद्ध का निष्ठापूर्वक संचालन कर कौरवों पर विजय प्राप्त की।

महाभारत के बाद कैसे खत्म हुआ श्रीकृष्ण सहित पूरा यदुवंश

अठारह दिन चले महाभारत के युद्ध में रक्तपात के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ। इस युद्ध में कौरवों के समस्त कुल का नाश हुआ, साथ ही पाँचों पांडवों को छोडकर पांडव कुल के अधिकांश लोग मारे गए। लेकिन इस युद्ध के कारण, युद्ध के पश्चात एक और वंश का ख़ात्मा हो गया वो था ‘श्री कृष्ण जी का यदुवंश’।

गांधारी ने दिया था यदुवंश के नाश का श्राप : महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद जब युधिष्ठिर का राजतिलक हो रहा था तब कौरवों की माता गांधारी ने महाभारत युद्ध के लिए श्रीकृष्ण को दोषी ठहराते हुए श्राप दिया की जिस प्रकार कौरवों के वंश का नाश हुआ है ठीक उसी प्रकार यदुवंश का भी नाश होगा। गांधारी के श्राप से विनाशकाल आने के कारण श्रीकृष्ण द्वारिका लौटकर यदुवंशियों को लेकर प्रयास क्षेत्र में आ गये थे।

यदुवंशी अपने साथ अन्न-भंडार भी ले आये थे। कृष्ण ने ब्राहमणों को अन्नदान देकर यदुवंशियों को मृत्यु का इंतजार करने का आदेश दिया था। कुछ दिनों बाद महाभारत-युद्ध की चर्चा करते हुए सात्यकि और कृतवर्मा में विवाद हो गया। सात्यकि ने गुस्से में आकर कृतवर्मा का सिर काट दिया। इससे उनमें आपसी युद्ध भडक उठा और वे समूहों में विभाजित होकर एक-दूसरे का संहार करने लगे।

इस लड़ाई में श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न और मित्र सात्यकि समेत सभी यदुवंशी मारे गये थे, केवल बळ और दारुक ही बचे रह गये थे। यदुवंश के नाश के बाद कृष्ण के ज्येष्ठ भाई बलराम समुद्र तट पर बैठ गए और एकाग्रचित्त होकर

परमात्मा में लीन हो गए। इस प्रकार शेषनाग के अवतार बलरामजी ने देह त्यागी और स्वधाम लौट गए। बहेलिये का तीर लगने से हुई श्रीकृष्ण की मृत्यु बलराम जी के देह त्यागने के बाद जब एक दिन श्रीकृष्ण जी पीपल के नीचे ध्यान की मुद्रा में बैठे हुए थे, तब उस क्षेत्र में एक जरा नाम का बहेलिया आया हुआ था।

जरा एक शिकारी था और वह हिरण का शिकार करना चाहता था। जरा को दूर से हिरण के मुख के समान श्रीकृष्ण का तलवा दिखाई दिया। बहेलिये ने बिना कोई विचार किए वहीँ से एक तीर छोड दिया जो कि श्रीकृष्ण के तलवे में जाकर लगा।

जब वह पास गया तो उसने देखा कि श्रीकृष्ण के पैरों में उसने तीर मार दिया है। इसके बाद उसे बहुत पश्चाताप हुआ और वह क्षमायाचना करने लगा। तब श्रीकृष्ण ने बहेलिये से कहा कि जरा तू डर मत, तूने मेरे मन का काम किया है।

अब तू मेरी आज्ञा से स्वर्गलोक प्राप्त करेगा। बहेलिये के जाने के बाद वहां श्रीकृष्ण का सारथी दारुक पहुंच गया। दारुक को देखकर श्रीकृष्ण ने कहा कि वह द्वारिका जाकर सभी को यह बताए कि पूरा यदुवंश नष्ट हो चुका है और बलराम के साथ कृष्ण भी स्वधाम लौट चुके हैं। अतः सभी लोग द्वारिका छोड दें। क्योंकि यह नगरी अब जल मग्न होने वाली है।

मेरी माता, पिता और सभी प्रियजन इंद्रप्रस्थ को चले जाएं। यह संदेश लेकर दारुक वहां से चला गया। इसके बाद उस क्षेत्र में सभी देवता और स्वर्ग की अप्सराएं, यक्ष, किन्नर, गंधर्व आदि आए और



उन्होंने श्रीकृष्ण की आराधना की। आराधना के बाद श्रीकृष्ण ने अपने नेत्र बंद कर लिए और वे सशरीर ही अपने धाम को लौट गए। श्रीमद भागवत के अनुसार जब श्रीकृष्ण और बलराम के स्वधाम गमन की सूचना इनके प्रियजनों तक पहुंची तो उन्होंने भी इस दुख से प्राण त्याग दिए।

देवकी, रोहिणी, वसुदेव, बलरामजी की पत्नियां, श्रीकृष्ण की पटरानियां आदि सभी ने शरीर त्याग दिए। इसके बाद अर्जुन ने यदुवंश के निमित्त पिण्डदान और श्राद्ध आदि संस्कार किए।

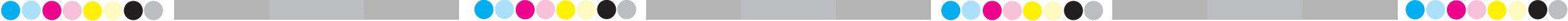
इन संस्कारों के बाद यदुवंश के बचे हुए लोगों को लेकर अर्जुन इंद्रप्रस्थ लौट आए। इसके बाद

कोई भी शुभ कार्य करने से पहले इन विशेष मुहूर्त का ध्यान रख सकते हैं



कोई भी शुभ कार्य करने से पहले हम भारतीय मुहूर्त जरूर देखते हैं। मुहूर्त देखने का चलन सदियों से चला आ रहा है। यदि आप स्वयं का व्यवसायिक, औद्योगिक या फिर किसी भी तरह की मशीन को स्थापित करना चाहते हैं तो इन विशेष मुहूर्त का ध्यान रख सकते हैं। औद्योगिक मुहूर्त कुटीर, लघु और भारी उद्योगों के शुभारंभ के लिए अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा नक्षत्र शुभ माने गए हैं। मशीन स्थापना मुहूर्त सर्वार्थ सिद्धि योग, गुरु पुष्य योग, रवि पुष्य योग और रवि योग में मशीन स्थापना शुभ होता है। इसके अलावा व्यक्ति की चंद्र राशि व गोचर के चंद्रमा को ध्यान में रखते हुए लग्न शुद्धि पर विचार करना चाहिए।

व्यवसायिक मुहूर्त मुहूर्त के मूलभूत सिद्धांत वहीँ रहते हैं, जो सदियों से चले आ रहे हैं। मुहूर्त लग्न में चंद्रमा 6,8,12 में नहीं होना चाहिए। यानी अगर सरल शब्दों में कहें तो कोई भी शुभ कार्य करते समय शुभ राशि से गोचर का चंद्रमा 4,8,12 में नहीं होना चाहिए। चैत्र और पौष माह में कार्य वर्जित माने गए हैं। इसलिए वर्जित योगों व भद्रा आदि में कोई शुभ कार्य आरंभ न करें। रिक्ता तिथि यानी 4,9,14 में शुभारंभ नहीं करना चाहिए। मंगलवार और बुधवार छोडकर सभी वार शुभ रहते हैं। लोहा, कोयला और ज्योतिष कार्य शनिवार को भी किया जा सकता है। नई दुकान, शोरूम व कार्यालय खोलने के लिए अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, अनुराधा, उत्तराषाढा, उत्तराभाद्रपद व रेवती नक्षत्र शुभ हैं।



नींद में आते हैं बुरे सपने? हो जाइए सावधान

पीटीएसडी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति विड्विड्वा और छेटी-छेटी बातों पर गुस्सा करता है। 'पीटीएसडी' ऐसी समस्या है, जहां दिमाग में अतीत की घटनाएं वर्तमान में प्रतिक्रिया देती हैं। अगर आप नींद में बार-बार बुरे सपने देखते हैं और ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं, तो

सावधान हो जाइए। अगर ऐसा है तो आप मानसिक बीमारी 'पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर' (पीटीएसडी) का शिकार हो सकते हैं। शोध में पता चला है कि बचपन में मन पर आघात व परिवारिक तनाव पीटीएसडी होने की संभावना बढ़ाते हैं।



पीटीएसडी के लक्षण

- जल्दी जागना और नींद में बुरे सपने देखना।
 - एक घटना का बार-बार दिखना या याद आना।
 - भूलना या विस्मृति और स्मृति में परेशानी।
 - ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई।
- उपचार** : पीड़ित की मनोदशा में जल्दी सुधार और आघात के लक्षण कम करने के लिए चिकित्सक 'मूड एलिवेटर' थेरेपी का इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए सम्मोहन (हिप्नोसिस) का भी सहारा लिया जाता है। जो काफी हद तक कारगर सिद्ध हुए हैं।

नवरात्रि: व्रत में इन 10 बातों का जरूर रखें ध्यान, वरना...



नवरात्रि का लगभग आधा समय बीत चुका है। लगातार 9 दिन व्रत रखने वाले लोग यदि अपने शरीर में कमजोरी महसूस कर रहे हैं तो कई परेशानियों का कारण हो सकता है। जैसे पानी की कमी, ब्लड प्रेशर, कार्बोहाइड्रेट्स आदि कई समस्याएं शुरू हो जाती हैं। व्रत के साथ अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए कुछ जरूरी बातों को ध्यान देना पड़ेगा, वरना नवरात्रि के अंतिम दिनों में कमजोरी के साथ-साथ कई समस्याएं बढ़ जाएंगी। आइए जानते हैं कि आखिर किन 10 बातों का ध्यान रखना है जरूरी...

व्रत में अपनाएं ये 10 आसान टिप्स



समय-समय पर छोटे-छोटे मीलस लेते रहे। अगर आप कुछ घंटों के अंतराल में व्रत के समय पर छोटी-छोटी मीलस लेते हैं तो इससे आपके शरीर का ब्लड ग्लूकोज लेवल स्थिर रहेगा और आप थका हुआ महसूस नहीं करेंगे। आपको अपने शरीर में पानी की मात्रा का विशेष रूप से ध्यान रखना होगा। व्रत में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए। साथ ही शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के लिए नारियल पानी, नींबू पानी, ग्रीन टी और छाछ का भी सेवन किया जा सकता है।

व्रत के दौरान शरीर में एनर्जी बनाए रखने के लिए आपको कार्बोहाइड्रेट्स का भी ध्यान रखना होगा। इसके लिए आप आलू, टमाटर, घिया, सीताफल और साबुदाना भी खा सकते हैं।

व्रत में कमजोरी से निजात पाने के लिए कुट्टू का सेवन करना सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। कुट्टू में 70-75 फीसदी कार्बो और 20-25 फीसदी प्रोटीन मौजूद होता है।

इसके अलावा व्रत में सामक चावल भी खा सकते हैं। ये चावल डाइजेशन के लिहाज से अच्छा माना जाता है क्योंकि इसे पचाने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती है और ये जल्द ही डाइजैस्ट हो जाता है।

स्नैक्स के तौर पर आपको व्रत के समय नमकीन के पैकेट्स पर ज्यादा निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसकी बजाए अगर आप व्रत वाले चिप्स, फ्रूट चाट या खीर का रायता खाने के तौर पर लेते हैं तो वह आपके लिए ज्यादा फायदेमंद साबित होगा।

व्रत के समय पर आप फ्रूट शेक्स भी पी सकते हैं। इससे आपको एनर्जी, प्रोटीन, कार्बो जैसी कई चीजें आसानी से मिल जाएंगी।

व्रत के दौरान हमें तली हुई चीजों (बेकड चिप्स, रोस्टेड पीनट्स) से भी परहेज रखना चाहिए। इसकी जगह हम रोस्टेड मखाने और ड्राइ फ्रूट्स खा सकते हैं।

अगर आपका व्रत के वक़्त मीठा खाने का मन हो तो ऐसे में आप गुड़ और शहद का सेवन कर सकते हैं।

व्रत में फुल क्रीम दूध भी नहीं पीना चाहिए। इसके बजाए आपको टोन मिल्क पीना चाहिए क्योंकि इसमें फुल क्रीम के मुकाबले कम फैट होता है।



कैसे पाएं मिलिया से छुटकारा

मिलिया एक प्रकार की त्वचा की समस्या है जो चेहरे पर होती है, त्वचा की मृत कोशिकाएं ही मिलिया का रूप ले लेती हैं, यह समस्या बच्चों और युवाओं में अधिक दिखती है।

क्या है मिलिया

मिलिया यानी सफेद फुंसी एक प्रकार की त्वचा की समस्या है जो चेहरे को प्रभावित करती है। यह फुंसी बहुत ही छोटी होती है जो किसी भी उम्र में हो सकती है। जब त्वचा की मृत कोशिकाएं त्वचा के ऊपर आती हैं तब यही मिलिया का रूप ले लेती हैं। मिलिया की समस्या सबसे अधिक बच्चों में देखी जाती है उसके बाद यह समस्या किशोरों में दिखती है। यह समस्या बिना उपचार के भी समाप्त हो जाती है। लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए तो इसे होने से बचाया जा सकता है।

अच्छे उत्पाद का प्रयोग करें

त्वचा के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले मॉइश्चराइजर क्रीम का प्रयोग करें। मॉइश्चराइजर क्रीम आपकी त्वचा की ऊपरी परत से मृत कोशिकाओं को आसानी से निकाल देती है, जिसके कारण ये फुंसियां चेहरे पर नहीं दिखाई देती हैं।

रेटीनॉल का प्रयोग

यह विटामिन ए का पूरक माना जाता है, इसका प्रयोग एक्ने की समस्या को दूर करने के लिए किया जाता है। यह त्वचा की मृत कोशिकाओं को यानी ऊपरी परत को निकालकर त्वचा को साफ और मलायम रखता है। अच्छे

परिणाम के लिए रेटीनॉल युक्त क्रीम का प्रयोग सीधे तौर पर प्रभावित त्वचा पर करें। रेटीनॉल को आंखों के आसपास न लगाएं।

सूर्य की किरणों से बचाव

सूर्य की हानिकारक किरणों से मिलिया और भी बदतर हो सकती है। इसलिए अगर आप मिलिया से ग्रस्त हैं तो सूर्य की हानिकारक त्वचा से चेहरे का बचाव करें। धूप तेज हो तो बाहर जाने से बचें और अगर जाना जरूरी हो तो चेहरे को ढक कर जाएं।

अधिक मेकअप न करें

अगर आप मिलिया से ग्रस्त हैं तो इसे छुपाने के लिए चेहरे पर अधिक कॉस्मेटिक का प्रयोग न करें। दरअसल कॉस्मेटिक और मेकअप के अन्य उत्पाद आपके रोम छिद्रों को बंद कर सकते हैं, इससे त्वचा अधिक प्रभावित होगी और मिलिया आपकी त्वचा पर और फैल सकती है। इसलिए मेकअप कम करें।

इसे खरोंचे नहीं

मिलिया को मुहांसों की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है। यह मृत कोशिकाओं के कारण होता है जो कि कुछ सप्ताह में अपने आप समाप्त हो जाता है। इसके कारण दर्द और जलन की समस्या नहीं होती है। इसलिए इसे खरोंच कर निकालने की कोशिश न करें। खरोंचने से यह बदतर हो सकता है और इसके कारण त्वचा पर जलन और खुजली की समस्या भी हो सकती है।

जिसमें फैट मिल्क और शुगर कम होते हैं, वैसे उत्पाद आप खा सकते हैं। कुछ ऐसे स्नैक्स भी आपके लिए हेल्दी हो सकते हैं। हां ये तो है कि इस तरह के उत्पादों में एक दम से फैट ना हो, ऐसा नहीं होता है। इसे बैलेंस करने के लिए थोडा

उत्सवों का दौर शुरू हो चुका है। ऐसे में ज्यादा कैलोरी वाला खानपान भी आम बात है। पर इस दुर्गा पूजा जब पंडाल में जाएं, तो जितना खाएंगे, उसकी कैलोरी गरबा या डांडिया में खुशी-खुशी बर्न भी कर सकते हैं।

धीमे से तेज होता जाता है गरबा

खुबसूरत कॉस्ट्यूम्स, हंसी-खुशी का माहौल और डांडिया या गरबा सांन्ना। फेयटफुट इसमें शामिल हो जाइए। मन की सेहत तो दुरुस्त हो ही

जाएगी, तन से कैलोरी भी घटेगी। हेल्थि एक्सपर्ट्स के अनुसार गरबा के विभिन्न स्टेप्स इसे एक शानदार वर्क आउट के तौर पर भी पेश करते हैं। इसकी खास बात है कि गाना धीमी लय से फिर रफ्तार पकड़ता है। लेकिन स्टेप्स एक जैसे ही रहते हैं। देखने में यह बहुत आसान लगता है। जब डांस करेंगे तो आपको मजा भी खूब आएगा, लेकिन बता दें कि आप एक घंटा अगर डांडिया या गरबा कर रहे हैं, तो अंदाजन 400 से 600 कैलोरी तक बर्न करने का चांस है।

इस नवरात्रि करो गरबा, घटाओ कैलोरी

जिसमें फैट मिल्क और शुगर कम होते हैं, वैसे उत्पाद आप खा सकते हैं। कुछ ऐसे स्नैक्स भी आपके लिए हेल्दी हो सकते हैं। हां ये तो है कि इस तरह के उत्पादों में एक दम से फैट ना हो, ऐसा नहीं होता है। इसे बैलेंस करने के लिए थोडा

धीमे से तेज होता जाता है गरबा

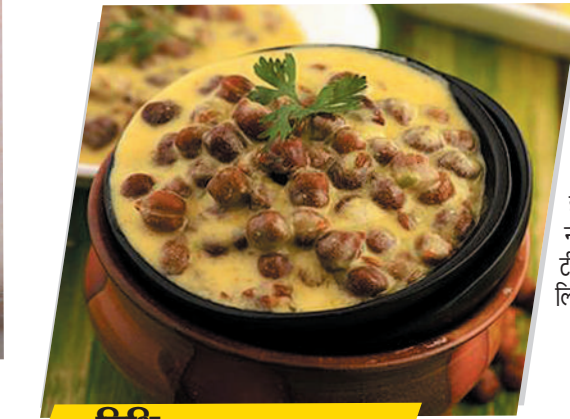
खुबसूरत कॉस्ट्यूम्स, हंसी-खुशी का माहौल और डांडिया या गरबा सांन्ना। फेयटफुट इसमें शामिल हो जाइए। मन की सेहत तो दुरुस्त हो ही

जाएगी, तन से कैलोरी भी घटेगी। हेल्थि एक्सपर्ट्स के अनुसार गरबा के विभिन्न स्टेप्स इसे एक शानदार वर्क आउट के तौर पर भी पेश करते हैं। इसकी खास बात है कि गाना धीमी लय से फिर रफ्तार पकड़ता है। लेकिन स्टेप्स एक जैसे ही रहते हैं। देखने में यह बहुत आसान लगता है। जब डांस करेंगे तो आपको मजा भी खूब आएगा, लेकिन बता दें कि आप एक घंटा अगर डांडिया या गरबा कर रहे हैं, तो अंदाजन 400 से 600 कैलोरी तक बर्न करने का चांस है।

क्या कहने भंगड़ा के

वैसे तो भंगड़ा पंजाब का लोकनृत्य है, लेकिन इसकी मस्ती ने इसे भारत के हरेक उत्सव का हिस्सा बना दिया है, फिर चाहे वह लोहड़ी हो, होली हो या कि दुर्गा पूजा का सेलिब्रेशन। बस हाथ उठा कर भंगड़ा के खास अंदाज में एक घंटा डांस कर लीजिए। एक घंटे का भंगड़ा कम से कम 300-400 कैलोरी बर्न करा सकता है।

रेसिपी



विधि

दही, बेसन, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, नमक और 1/2 कप पानी को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला ले और फेंट लें, जिससे डब्ले ना रहें। एक तरफ रख दें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, जीरा और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, काला चना और दही-बेसन का मिश्रण डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 मिनट तक पका लें। धनिया से सजाकर तुरंत परोसें।



विधि

चना दाल को साफ, धोकर जरूरत मात्रा में गरम पानी में डालकर एक गहरे बाउल में 1 घंटे के लिए भिगो दें। छानकर एक तरफ रख दें। चना दाल, हल्दी पाउडर, नमक और 3 कप पानी कप प्रेशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी तक प्रेशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पूर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, जीरा, लौंग और दालचीनी डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड तक भुन लें। प्याज और लहसुन का पेस्ट डालकर, मध्यम आंच पर और 2 मिनट के लिए भुन लें। सोआ भाजी और टमाटर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 1 मिनट के लिए पका लें। लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 1 मिनट के लिए पका लें। पकी हुई चना दाल डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 2-3 मिनट के लिए पका लें। गरमा गरम परोसें।

नवरात्रि में इस्तेमाल करें ये 12 Tips तो झाड़ियां होंगी दूर

फेस्टिव सीजन अपने पूरे रंग में हैं और नवरात्रि के बाद दशहरा और दीपावली भी बस कुछ ही दिन दूर रह गए हैं। हालांकि पूरे फेस्टिवल सीजन का मजा ही किरिकरा हो जाता है जब आपकी त्वचा खिली-खिली न हो या चेहरे पर झाड़ियां दिखाई दे रही हों। ये कहीं ना कहीं यह आपके आत्मविश्वास को भी प्रभावित करती हैं। आंखों के इर्द-गिर्द या फिर चेहरे पर झाड़ियां आपकी पूरी पर्सनैलिटी को ही नुकसान पहुंचाने का काम करती हैं। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है

झाड़ियों के बारे में क्या कहते हैं डॉक्टर

डॉक्टर्स का कहना है कि चेहरे पर पड़ने वाली झाड़ियों का कारण आपके पेट में गड़बड़ी या हार्मोस में असंतुलन हो सकता है। हालांकि झाड़ियों से मुक्ति पाने के लिए आपको मेडिकल सलाह की भी जरूरत पड सकती है। जानकारों के मुताबिक कुछ ऐसी झाड़ियां होती हैं जो वक़्त के साथ खुद ठीक होती जाती हैं हालांकि हर तरह की झाड़्यां खुद ठीक नहीं हो सकती. ऐसी झाड़ियों के लिए नीचे दिए नुस्खे अमल में लाए जा सकते हैं...

क्या करें झाड़ियों से बचने के लिए

1. झाड़ियों से बचने के लिए जरूरी है कि आप तेज धूप से बचें। जब भी आप धूप में निकले तो छतरी का इस्तेमाल करें और अपनी आंखों को बचाएं।
2. धूप में घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं।
3. घरेलू उपाय अपनाते हुए आप घर में ही स्क्रब कर सकती हैं। स्क्रब के लिए जौ के आटे में दही, लेमन जूस और मिंट जूस मिलाकर चेहरे पर 2 से 3 मिनट तक मलें और लगभग 5मिनट के बाद चेहरा धो लें।
4. चेहरे की झाड़ियां दूर करने के लिए आप नींबू, हल्दी और बेसन का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगा सकते हैं।
5. अंनिद्रा भी झाड़ियों का कारण हो सकती है। इसीलिए आपकी नींद पूरी होना भी जरूरी है, इसके लिए आप समय पर सोएं और समय पर उठें।
6. रात को सोने से पहले चेहरे को जरूर धोएं, ऐसा करने से झाड़ियां भी दूर होंगी और चेहरे की गंदगी भी दूर होगी।
7. रात को सोने से पहले मलाई में बादाम पीसकर पेस्ट बनाकर चेहरे पर हल्के हाथ से मसाज करें और ऐसे ही सो जाएं और सुबह उठकर बेसन से चेहरा धो लें।
8. सेब का गुद्दा या फिर पपीते के पत्त को चेहरे पर मलने से भी झाड़ियां दूर होती हैं।
9. बादाम, नींबू और मलाई का पेस्ट या फिर तुलसी की पित्तयों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से झाड़ियों को दूर करने में मदद मिलती हैं।
10. प्रतिदिन ताजा टमाटर काटकर, उसके रस से चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करने से झाड़ियां दूर होती हैं है।
11. चेहरे की झाड़ियां दूर करने के लिए आपका अंदरूनी स्वस्थ रहना जरूरी है ऐसे में आपको कम से कम रोजाना 10 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए।
12. प्रतिदिन बिना मसाले का एक गिलास गाजर का रस पीने से झाड़ियां दूर होती हैं। स्वस्थ रहने के लिए आपको दूध, दही, हरी सब्जियां, सेब और सलाद इत्यादि अपने खाने में शामिल करना चाहिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar,

Hyderabad - 500 037

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 18 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

गोविंदा का जलवा, डांडिया की धूम, गरबा का रंग

अग्र डांडिया उत्सव में उमड़ा जनसैलाब, ज्योति अग्रवाल ने जीता बंपर पुरस्कार

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से शमशाबाद स्थित क्लासिक-3 में आयोजित नौ दिवसीय अग्र डांडिया उत्सव के छठे दिन हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तजनों ने माता की पूजा-अर्चना के बाद डांडिया और गरबा का भरपूर आनंद उठाया। प्रख्यात बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की उपस्थिति और उनकी विभिन्न कलात्मक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। उनकी मौजूदगी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही।

गोविंदा की मौजूदगी ने बढ़ाया उत्साह अग्र जयंती उत्सव के मीडिया प्रभारी डॉ. दिलीप पंसारि द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में मशहूर फिल्म अभिनेता गोविंदा की उपस्थिति ने प्रतिभागियों और दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न कलाओं के प्रदर्शन ने समारोह में चार चांद लगा दिए। हजारों लोगों ने डांडिया और गरबा में भाग लेकर उत्सव का आनंद लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित उत्सव के दौरान बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांडिया प्लेयर और बेस्ट गरबा प्लेयर जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें कुक्षी, कृत्तक, राजेश, काव्या, वेदान्त, तन्मय, कीर्ति, नितिन, परी, उर्वी, कैरव, ध्रुव, हेतल, जयेंद्र, केवानी, मीनाक्षी, कपिल एवं शीतल को विजेता घोषित कर पुरस्कृत किया गया।

नॉन-स्टॉप डांडिया एवं गरबा प्रतियोगिता में लियो विजेता रहे। वहीं, नॉन-स्टॉप प्रतियोगिता के विशेष विजेताओं में अर्पित, अक्षय, झलक एवं आक्षिता शामिल रहे। सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।



रेट्रो पार्टनर थीम ने मोहा मन उत्सव में विशेष रेट्रो पार्टनर थीम प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें श्रुति एवं यश, सागर एवं काजल, तन्मय एवं तन्वी तथा वंशिका एवं राधिका विजेता रहे। सभी विजेताओं को उपहार स्वरूप बेडशीट और

इस्की प्रदान की गई। सरप्राइज गिफ्ट्स ने बढ़ाया रोमांच कार्यक्रम में सरप्राइज गिफ्ट्स की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। इसके विजेताओं में रिहांगी, अरीदिका, पार्थ, प्रथम, बरखा, जैस्वी, बेनिका, छवि, शोनी, मोनिका, मम्मियसा, प्रेम, जीविषा, चंदन, कुशांक, प्रीशा, तन्मय, अमन, कुंश, आव्या एवं कीर्ति शामिल रहे। सभी विजेताओं को बेडशीट और इस्की उपहार स्वरूप प्रदान की गई।

ज्योति अग्रवाल ने जीता बंपर पुरस्कार कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण विशेष बंपर पुरस्कार रहा। यह पुरस्कार सबसे ऊर्जावान प्रदर्शन, नॉन-स्टॉप डांडिया एवं गरबा, सर्वश्रेष्ठ परिधान तथा प्रतिदिन भागीदारी सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए दिया गया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की विजेता ज्योति अग्रवाल

रहीं। उन्हें उपहार स्वरूप डेढ़ टन क्षमता का वातानुकूलक प्रदान किया गया। प्रतियोगिताओं में इंदु अग्रवाल, स्वाति पारिक, शिल्पी सैनी देवड़ा एवं हितेश जश्रानी ने निर्णायकों की भूमिका निभाई। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन संयोजक प्रवीण अग्रवाल, सचिव सीमा जैन, संयुक्त सचिव प्रतीक नरसरिया, सह-संयोजक अल्का मिंडा एवं प्रीति, राजेश गोयल, संगीता गोयल, राजेश नरेडी, जनार्दन सुरेखा और रितेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने किया। डांडिया कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य सरकार के सलाहकार एच. वेणुगोपाल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरगोविंद अग्रवाल, सचिव डॉ. सीमा जैन, सह-सचिव प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राज गोपाल अग्रवाल तथा सलाहकार राजेश गोयल उपस्थित थे। डांडिया आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल (सीएसके), संयोजक प्रवीण अग्रवाल, सह-संयोजक हर्ष सोंथालिया, प्रीति अग्रवाल, डॉ. स्वाति गोयल, अल्का मिंडा एवं अन्य सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। डांडिया कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश गोयल, राजेश नरेडी, विनोद सोंथालिया, रितेश अग्रवाल, विकास अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों की सहायनीय भूमिका रही। नौ दिवसीय अग्र डांडिया उत्सव के छठे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं, पुरस्कारों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को यादगार बना दिया।



श्री सिखवाल समाज, सिंदरबाद में नवरात्रि की धूम। प्रसाद के लाभार्थी श्री शंकर लाल जी एवं सत्यनारायण जी कोलरिया का समाज की ओर से विष्णु प्रसाद जी तिवारी एवं अशोक जी जोशी द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजेश सिखवाल, विनोद उपाध्याय, अनिल जी कोलरिया, कमल पांडे, घनश्याम जी व्यास, विजय व्यास, राहुल तिवारी, भगवन जी कोलरिया एवं हेमंत व्यास उपस्थित रहे।



दुबक्का विधायक के. प्रभाकर रेड्डी साहब को उनके पुत्र पृथ्वी रेड्डी (मैनेजिंग डायरेक्टर) के पिता बनने पर दादा होने की हार्दिक बधाई दी गई है। एसकेईडी राइड प्राइवेट लिमिटेड के एजीक्यूटिव डायरेक्टर मनोज कोठारी और राजेंद्र कोठारी ने इस खुशी के मौके पर विधायक साहब और परिवार को शुभकामनाएं दीं। एसकेईडी राइड प्राइवेट लिमिटेड एका मोबिलिटी की संपूर्ण तेलंगाना डीलर है और मेक इन इंडिया के तहत ईवी कमर्शियल व्हीकल्स (ईवीसीवी) की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध कराती है।



अंबरपेट स्थित जीएचएमसी ग्राउंड में बतुकम्मा पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता सपना गुप्ता ने कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी जी का सम्मान किया। कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, सीनियर लीडर दयानंद, चंद्रशेखर, सुनील, भाग्यश्री, रचना, साक्षी व अन्य उपस्थित रहे।



विनायक नगर, सफलगुड़ा में बाला अन्ना और अजय द्रुग द्वारा हर साल की तरह इस साल भी दुर्गा माता की पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने अपने पूरे परिवार के साथ पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया।

श्री तपागच्छ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक महासंघ, तेलंगाना की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। खैरताबाद स्थित भलगट भवन में श्री तपागच्छ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक महासंघ, तेलंगाना की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ नवकार मंत्र के स्मरण के साथ हुआ। दिनेशभाई कामदार ने बैठक की शुरुआत करते हुए पिछले कुछ दिनों से चल रहे घटनाक्रम के बारे में सभी को विस्तृत जानकारी दी।

कुलपाक एवं दादावाडी के ट्रस्टी श्री प्रशांत श्रीमाल के निवास पर आयोजित समन्वय बैठक के संबंध में भी सभी को विस्तार से जानकारी दी गई। इस बैठक में कुलपाक तीर्थ, कारवान दादावाडी के पदाधिकारी एवं ट्रस्टी, खरतरगच्छ महासंघ के वरिष्ठ सदस्य तथा बेंगलुरु से पधारे तेजराजजी गोलेच्छा और तपागच्छ महासंघ, तेलंगाना के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में दोनों पक्षों की ओर से गुरु भगवतों एवं श्रावकों के विरुद्ध सोशल मीडिया पर प्रसारित निराधार एवं असत्य संदेशों, वीडियो और तस्वीरों को हटाने पर सहमति बनी। साथ ही, भविष्य में इस



प्रकार सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में कुलपाक ट्रस्ट द्वारा तीर्थ भूमि एवं तीर्थ परिसर में किसी भी नए मंदिर का निर्माण नहीं करने और नई प्रतिमाएं विराजमान नहीं करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, केसर रूम को पुनः बनाने तथा कायमी ध्वजा को पूर्ववत रखने पर भी सहमति बनी। श्री कुलपाकजी तीर्थ के विषय में त्रयनगर के सभी संघों के साथ जाजम पर बैठकर आपसी सहमति से समाधान निकालने का निर्णय लिया गया। इस दौरान

कुलपाकजी तीर्थ ट्रस्ट की ओर से लगभग सभी संघों को भेजे गए पत्र को भी पढ़कर सुनाया गया। सभी संघों की एकमत राय रही कि श्री कुलपाकजी तीर्थ के संचालन के लिए एक कार्यकारिणी समिति का गठन किया जाए। इस समिति में हैदराबाद-सिंदरबाद के प्रत्येक मूर्तिपूजक संघ से एक अथवा दो सक्रिय प्रतिनिधियों को मनोनीत कर शामिल किया जाए, ताकि उन्हें कुलपाकजी तीर्थ की विभिन्न सेवाओं में भागीदारी का अवसर मिल सके। देश-विदेश के विभिन्न स्थानों से श्री

कुलपाकजी तीर्थ, कारवान दादावाडी, मेडचल तीर्थ, गुरु भगवतों एवं श्रावकों के संबंध में की गई समस्त सरकारी शिकायतों को दोनों पक्षों के गुरु भगवतों के आदेश-शानुसार वापस लेने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस संबंध में दोनों गुरु भगवतों की ओर से जारी पत्रों को भी बैठक में पढ़कर सुनाया गया।

आगे से सभी अन्य विषयों पर आपसी संवाद और जाजम पर बैठकर ही निर्णय लेने पर सहमति बनी। श्री कुलपाकजी तीर्थ के प्रकरण में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी संघों, युवाओं और कार्यकर्ताओं की अनुमोदना की गई। साथ ही, पुराने मतभेद भुलाकर आपसी भाईचारे और एकता के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया गया।

मेडचल तीर्थ के विषय में रविवार, 18 अक्टूबर 2026 को आयोजित बैठक में चर्चा की जाएगी। बैठक में त्रयनगर के सभी संघों के पदाधिकारियों, युवाओं एवं समाज के अग्रणी बंधुओं से अपनी अनुकूलता के अनुसार उपस्थित रहने का निवेदन किया गया।

साध्वियों की नवरात्रि विशेष साधना जारी

नौ दिनों तक मौन व्रत और अन्न का त्याग कर तपस्यारत हैं आर्यिका परीक्षा श्री माताजी एवं प्रेक्षा श्री माताजी



हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाइटके सिटी स्थित दिगंबर जैन मंदिर सरोवर जिनालय में वर्ष 2026 का वर्षायोग कर रहीं आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज जी की शिष्याएं साध्वी आर्यिका परीक्षा श्री माताजी एवं प्रेक्षा श्री माताजी की नवरात्रि पर्व के अवसर पर नौ दिवसीय विशेष साधना जारी है। इन दिनों दोनों आर्यिकाएं पूर्ण रूप से मौन रहकर साधनारत हैं।

साथ ही, दोनों साध्वियों ने अन्न का पूरी तरह त्याग कर रखा है। यहां प्राप्त जानकारी के अनुसार, साध्वियां चौके में केवल फलाहार भी उन्हीं व्रती श्राविकाओं से ग्रहण कर रही हैं, जिन्होंने चातुर्मास के दौरान आलू, प्याज और लहसुन का पूरी तरह त्याग किया हुआ है। साध्वियों के साथ-साथ आहार देने वाली श्राविकाएं भी इन दिनों सफेद साड़ी पहनकर ही आहार दे रही हैं। श्राविकाएं पूरी मर्यादा का पालन करते हुए दोनों साध्वियों की तपस्या को निर्विघ्न संपन्न कराने में सहयोग कर रही हैं।

मानव सेवा से ही सार्थक होता है जीवन : हरीश तोलाराम हिंदूजा



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्न-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्य हरीश तोलाराम हिंदूजा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव सेवा जीवन का सबसे बड़ा धर्म है। किसी जरूरतमंद की सहायता करना,

भूखे व्यक्ति को भोजन कराना और जरूरत के समय किसी के काम आना ऐसे कार्य हैं, जिन्हें न केवल दूसरों के जीवन में खुशियां आती हैं, बल्कि स्वयं के मन को भी आत्मिक संतुष्टि प्राप्त होती है। सेवा का वास्तविक अर्थ केवल किसी की मदद करना नहीं, बल्कि दूसरों के दुःख-दर्द को समझते हुए उनके प्रति अप-नेपन और संवेदनशीलता का भाव रखना है।

उन्होंने कहा कि आज के व्यस्त जीवन में जहां प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्यों और जिम्मेदारियों में व्यस्त है, वहीं समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझना भी उतना ही आवश्यक है। समाज तभी मजबूत बनता है, जब उसके लोग एक-दूसरे के सुख-दुःख में सहभागी बनते हैं और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आते हैं। अन्नसेवा ऐसा पुनीत कार्य है, जो सीधे मानवता से जुड़ा हुआ है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके प्रति सम्मान, प्रेम और करुणा व्यक्त करना भी है। यही भावना एक अच्छे समाज की नींव रखती है। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवलाल गुप्ता, कमल मुंदड़ा तथा हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इन्वेस्ट तेलंगाना समिट के लिए 29 अक्टूबर को दिल्ली में शीर्ष उद्योगपतियों से मिलेंगे सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आगामी 29 अक्टूबर को दिल्ली में दुनिया की प्रमुख और राष्ट्रीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) तथा उद्योगपतियों से मुलाकात करेंगे। इसका उद्देश्य 7 से 9 दिसंबर तक भारत प्च्युकर सिटी में आयोजित होने वाले 'इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026' को बढ़ावा देना है। सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार इस अवसर पर एक विशेष प्रारंभिक कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं प्रमुख कॉर्पोरेट कंपनियों के अधिकारियों को सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे।

तेलंगाना सरकार वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने और राज्य को निवेश के पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के प्रयास तेज कर रही है। सम्मेलन में आमंत्रित की जाने वाली कंपनियों में अमेजन वेब सर्विसेज, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, मेटा, फाइनर, नोवार्टिस, टेस्ला, फ्रांस की एयरस-पेस एवं रक्षा क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी सफ्रान और आईटीसी सहित अन्य कंपनियां शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, समिट परिषद के प्रस्तावित 220 सदस्यों में से अब तक 125 ने सरकार का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा, 10 क्षेत्रों के लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भी सम्मेलन में भाग लेने पर सहमति जताई है।

सम्मेलन के प्रचार-प्रसार के लिए चेन्नई और बेंगलुरु में निवेश रोड शो आयोजित किए जा चुके हैं। 25 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया, दुबई, पश्चिम एशिया के देशों और अमेरिका में भी कार्यक्रम आयोजित करने की योजना



है। इसके बाद 3 नवंबर को मुंबई और 4 नवंबर को अहमदाबाद में निवेश रोड शो होंगे। समिट की थीम 'योर इन्वेस्टमेंट, आवर एशोरेंस' (आपका निवेश, हमारा भरोसा) रखी गई है। इसका मार्गदर्शक सिद्धांत 'प्लेज टू प्लॉट टू प्लॉट टू पेरोल टू प्रोडक्ट' है। इसके माध्यम से निवेश की पूरी प्रक्रिया को दर्शाया जाएगा, जिसमें निवेश की प्रारंभिक प्रतिबद्धता, भूमि आवंटन, औद्योगिक इकाई की स्थापना, रोजगार सृजन और उत्पादन तक के चरण शामिल हैं।

तीन दिवसीय इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट का आयोजन भारत प्च्युकर सिटी स्थित यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी परिसर के चार हॉल में किया जाएगा। राज्य सरकार देश-विदेश से आने वाले प्रतिनिधियों के ठहरने की व्यवस्था कर रही है। इसके लिए हैदराबाद में लगभग 1,000 होटल कमरों को सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों के लिए आरक्षित करने की योजना है।

लगभग 150 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इस आयोजन के लिए निविदा

प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परिसर के बाहरी प्रांगण से जुड़े कार्य 15 नवंबर तक पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि आंतरिक व्यवस्थाओं और विश्वविद्यालय परिसर के कार्यों को 30 नवंबर तक पूरा करने की योजना है।

सूत्रों के अनुसार, सम्मेलन में 10 क्षेत्रों की 25 प्रमुख कंपनियों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसमें औद्योगिक क्षमताओं और निवेश के अवसरों को प्रदर्शित किया जाएगा।

राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सामने तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत प्रस्तुत करने की भी तैयारी कर रही है। इसके तहत राज्य की परंपराओं, लोककलाओं, शास्त्रीय नृत्यों, फैशन, हस्तशिल्प, खानपान और बथुकम्मा उत्सव से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सम्मेलन के आयोजन में केंद्र सरकार का सहयोग प्राप्त करने और आवश्यक अनुमतियां सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया भर से बुद्धिजीवियों, उद्योग जगत के नेताओं, नीति-निर्माताओं, प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और शिक्षाविदों को सम्मेलन में आमंत्रित किया जा रहा है।

सम्मेलन में आर्थिक विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), प्रौद्योगिकी, जलवायु संरक्षण, लैंगिक समानता और शांति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि इस सम्मेलन से दुनिया के विभिन्न देशों के साथ तेलंगाना के आर्थिक और नीतिगत संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

पुलिसकर्मी बनकर ज्वेलरी कारोबारी का अपहरण 15 करोड़ की फिरोती मांगी, 10 गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में पुलिस अधिकारी बनकर एक ज्वेलरी कारोबारी का कथित रूप से अपहरण करने और उससे 15 करोड़ रुपये की फिरोती मांगने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने कारोबारी को छोड़ने से पहले 1.30 करोड़ रुपये वसूल किए। चिक्कड़पल्ली पुलिस और सिकंदराबाद जोन टास्क फोर्स ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 1.07 करोड़ रुपये नकद, 118.26 ग्राम सोने के आभूषण, पांच वाहन और नौ मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। मामले में दो अन्य आरोपी फरार हैं।

पीड़ित के श्रीनिवास राव (53) रम्यानापुर में ज्वेलरी का कारोबार करते हैं। पुलिस के अनुसार, 5 अक्टूबर को काम पर जाते समय उनका कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया था। पुलिस को आशंका है कि बोडुप्पल में एक रियल एस्टेट परियोजना से जुड़ा संपत्ति विवाद इस वारदात की मुख्य वजह था।

गोलनाका के पास कारोबारी का अपहरण सिकंदराबाद की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रक्षित कृष्णमूर्ति, आईपीएस ने शनिवार



को बताया कि आरोपियों ने पुलिस अधिकारी बनकर गोलनाका फ्लाईओवर के पास श्रीनिवास राव को रोका। इसके बाद उन्हें जबरन अगवा कर आंखों पर पट्टी बांधकर किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया।

गिराह ने शुरुआत में कारोबारी के परिवार से 15 करोड़ रुपये की फिरोती मांगी, लेकिन अंततः 1.30 करोड़ रुपये वसूलने के बाद उन्हें रिहा कर दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी फर्जी नंबर प्लेट लगे वाहनों का इस्तेमाल कर रहे थे। पहचान से बचने के लिए वे बार-बार वाहन भी बदलते रहे।

रियल एस्टेट विवाद में अपहरण की साजिश

डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने रियल एस्टेट और निर्माण व्यवसायी दुमावत श्रीकांत को इस वारदात का कथित मुख्य साजिशकर्ता बताया है। जांचकर्ताओं के अनुसार, श्रीकांत और श्रीनिवास राव के बीच हेमानगर, बोडुप्पल स्थित एक रियल एस्टेट परियोजना को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि श्रीकांत उस परियोजना से संबंधित एजीपी (अधिकृत सामान्य मुख्तारनामा) अपने नाम पर हस्तांतरित कराना चाहता था।

पुलिस के अनुसार, श्रीकांत ने अगस्त में सुरेश, जिसे सूर्या और सूरि के नाम से भी जाना जाता है, तथा श्रीनिवास रेड्डी के साथ मिलकर कथित तौर पर अपहरण की साजिश रची थी।

1.07 करोड़ नकद और पांच वाहन जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.07 करोड़ रुपये नकद, 118.26 ग्राम सोने के आभूषण, तीन कारें, दो दोपहिया वाहन और नौ मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

जब्त वाहनों में महिंद्रा बोलेरो, मारुति सुजुकी अर्टिगा, किया सेल्टोस, बजाज पल्सर 220 सीसी मोटरसाइकिल और सुजुकी एक्ससे स्कूटर शामिल हैं। पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि फिरोती के रूप में वसूली गई पूरी 1.30 करोड़ रुपये की राशि बरामद कर ली गई है या नहीं।

मुख्य आरोपी पर धोखाधड़ी के 16 मामले

पुलिस के अनुसार, श्रीकांत के खिलाफ एलबी नगर, मेडिपल्ली, सरूरनगर और वनस्थलीपुरम पुलिस थानों में धोखाधड़ी के 16 मामले दर्ज हैं। ये मामले कथित तौर पर फ्लैटों की प्री-लॉन्च बुकिंग के नाम पर की गई धोखाधड़ी से संबंधित हैं।

मोहित अग्रवाल ने दिया सेवा और समर्पण का संदेश



हैदराबाद। राधे-राधे गुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम

का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मोहित अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा केवल जरूरतमंदों की सहायता करना ही नहीं, बल्कि

मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने का पवित्र माध्यम है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा मन को आत्मिक संतुष्टि प्रदान करती है और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा सहयोग की भावना को मजबूत बनाती है। कार्यक्रम में अनिल धरजुवाले, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, दीपचंद अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता गोयल एवं सरोज देवी सहित राधे-राधे गुप के अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

कीसरा पुलिस इंस्पेक्टर के ठिकानों पर एसीबी की छापेमारी, 2.28 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कीसरा पुलिस इंस्पेक्टर अर्कापल्ली अंजनेयुलु से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी के दौरान 2.28 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता लगाया है। अंजनेयुलु को पिछले महीने कथित तौर पर 8 लाख रुपये की रिश्तत मांगने और 5 लाख रुपये स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

आय से अधिक संपत्ति के इस मामले में शनिवार को इंस्पेक्टर के आवास, कार्यालय और उसके रिश्तेदारों, सहयोगियों तथा कथित बेनामीदारों से जुड़े चार अन्य स्थानों पर तलाशी ली गई। छापेमारी के दौरान संपत्तियों के दस्तावेज, 7 लाख रुपये नकद, सोने के आभूषण, एक कार और घरेलू सामान बरामद किए गए।

एसीबी ने बताया कि अतिरिक्त संपत्तियों का पता लगाने के लिए जांच और सत्यापन जारी है। एजेंसी के अनुसार, संपत्तियों का वास्तविक बाजार मूल्य आधिकारिक आकलन से काफी अधिक हो सकता है।

दो करोड़ रुपये की संपत्ति और कृषि भूमि

एसीबी के अनुसार, तलाशी के दौरान कई संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। आरोप है कि इंस्पेक्टर ने अपनी सेवा अवधि के दौरान भ्रष्ट तरीकों और संदिग्ध माध्यमों से इन संपत्तियों को अर्जित किया।

चिह्नित संपत्तियों में शामिल हैं:

लिंगोजीगुड़ा, सरूरनगर: 150-150 वर्ग गज के दो प्लॉट और एक पुराना मकान, जिसकी कीमत 30 लाख रुपये आंकी गई है।

सीआर एक्लेव, मंसूराबाद, एलबी नगर: 240 वर्ग गज में बना एक पुराना मकान, जिसकी कीमत 40 लाख रुपये बताई गई है।

पेरूर गांव: 180 वर्ग गज के प्लॉट पर निर्माणाधीन मकान, जिसकी कीमत 50 लाख रुपये

आंकी गई है।

हालिया, मिर्यालगुड़ा: दो एकड़ कृषि भूमि, जिसकी कीमत 80 लाख रुपये बताई गई है।

एसीबी ने बताया कि आगे की पृष्ठताछ में हालिया-मिर्यालगुड़ा क्षेत्र में इंस्पेक्टर द्वारा अतिरिक्त कृषि भूमि अर्जित किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। एजेंसी इन संपत्तियों के वास्तविक क्षेत्रफल और मूल्य का सत्यापन कर रही है।

7 लाख नकद, सोना और कार भी मिली संपत्तियों के अलावा एसीबी को छापेमारी के दौरान 7 लाख रुपये नकद मिले। लगभग 60 तोला सोने के आभूषण भी मिले, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये बताई गई है। इसके अतिरिक्त, लगभग 6.5 लाख रुपये मूल्य की मारुति विटारा ब्रेजा जेडडीआई प्लस बीएस-4 कार भी मिली।

तलाशी के दौरान करीब 10 लाख रुपये मूल्य के घरेलू सामान और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए गए। ब्यूरो ने बताया कि अन्य संभावित संपत्तियों का सत्यापन जारी है और आय से अधिक संपत्ति का मामला अभी जांच के अधीन है। सितंबर में 5 लाख की रिश्तत लेते पकड़ा गया था अंजनेयुलु को इससे पहले 16 सितंबर 2026 को एसीबी ने कथित तौर पर 8 लाख रुपये की रिश्तत मांगने और अपने अधीनस्थ सब-इंस्पेक्टर डी. ज्ञानेंद्र रेड्डी के माध्यम से 5 लाख रुपये स्वीकार करने के आरोप में रंगे हाथों पकड़ा था। आरोप है कि यह रिश्तत एक आधिकारिक कार्य करने के बदले मांगी गई थी।

उसे 17 सितंबर को गिरफ्तार कर एसीबी अदालत में पेश किया गया था। फिलहाल वह चंचलगुड़ा केंद्रीय जेल में बंद है।

एसीबी ने बताया कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में इंस्पेक्टर को कैदी ट्रांजिट वार्ंट के माध्यम से अदालत में पेश किया जाएगा।

कनकदुर्गा माता मंदिर में भव्य जागरण आयोजित



हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑटोनगर स्थित श्री कनकदुर्गा माता मंदिर में मां भगवती का विशाल जागरण आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह उपस्थित हुए। उन्होंने मां की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में पुजारी राम निवास, सदीप चौधरी, राजपाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी भक्तों ने माता के भजनों का आनंद लिया और मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भजन गायक उज्जैन के जीवन चौहान और हैदराबाद के दीपेश जोशी ने अपने भजनों की प्रस्तुति दी।



हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ओल्ड अलवाल स्थित पी.वी.आर. गार्डन में मां भगवती मित्र मंडल के तत्वावधान में 16 अक्टूबर की रात 9.15 बजे मां भगवती का विशाल जागरण भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में समाजबंधुओं और श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां भगवती के भजनों का आनंद लिया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक जयराम परिहार, पन्नालाल परिहार, बाबूलाल गेहलोत, महेंद्र सिंह पितावत और सुरेश गेहलोत ने संयुक्त रूप से बताया कि पूजा-अर्चना और आरती के पश्चात ज्योत प्रज्वलित कर रात 9.15 बजे जागरण शुरू किया गया। इस अवसर पर मरुधरा के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्रद्धेय स्वामी श्री सत्यप्रकाश महाराज (सुमेरुपुर), भजन सम्राट शंकर टांक (डायलाना) और अंजलि सीरवी ने मां भगवती के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किए। भजनों पर हजारों की संख्या में उपस्थित समाजबंधु और श्रद्धालु देर रात तक

नाचते-गाते हुए भक्ति में लीन रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मालकाजगिरी विधायक राजशेखर रेड्डी, बोझपल्ली, मुदम नरसिम्हा यादव, श्री राधे महाराज, जीडिमेटला बडेर के उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, श्री आईजी गौशाला के अध्यक्ष किशनलाल पंवार, सचिव हुक्मराम सानपुरा, सलाहकार मंगलाराम पंवार, गज्जभाई कोलरिया, मदनलाल रावल, भुण्डाराम बर्फा, उदाराम काग, सोहनलाल हाम्बड़ और चंदनाराम चोयल सहित सर्व समाज के गणमान्य पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित कर दुपट्टा, शाल, मोमेंटो और राजस्थानी साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। सीए शिल्पा चौधरी ने भी समाज के अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

मारवाड़ी युवा मंच, सिकंदराबाद की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर गौ सम्मान अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर किए गए तथा

दिलीप, सुरेश, रमेश, प्रदीप, नरेश जयराम, पिताराम, नेमाराम, सुगनाराम, बाबूलाल, नरेश, लादुराम, ताराराम, दलपत, महेंद्र, अनिल, राजुराम, दादाभाई, घेवराराम, किशनलाल, मधुराम, बाबूलाल, विकास, चुन्नीलाल, मांगीलाल, संगीत मैडम, अक्षय, मनाराम, देवीसिंह, राकेश जाट, निर्मल, दीपाराम और काकाजी का विशेष सहयोग रहा।

महिला मंडल की कमला, रेखा, राधा, पूजा, आशा, राधा, नेहया, रेखा, सीता, संगीता, सुनीता और शिल्पा सहित सभी कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया। पत्रकार जगदीश सीरवी ने मीडिया कवरेज किया। यूट्यूब चैनल बीआरएस राजस्थानी पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। साउंड की व्यवस्था भगवानराम राठौड़ और बबलू ने संभाली। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में जयराम परिहार ने सभी का आभार व्यक्त किया।